

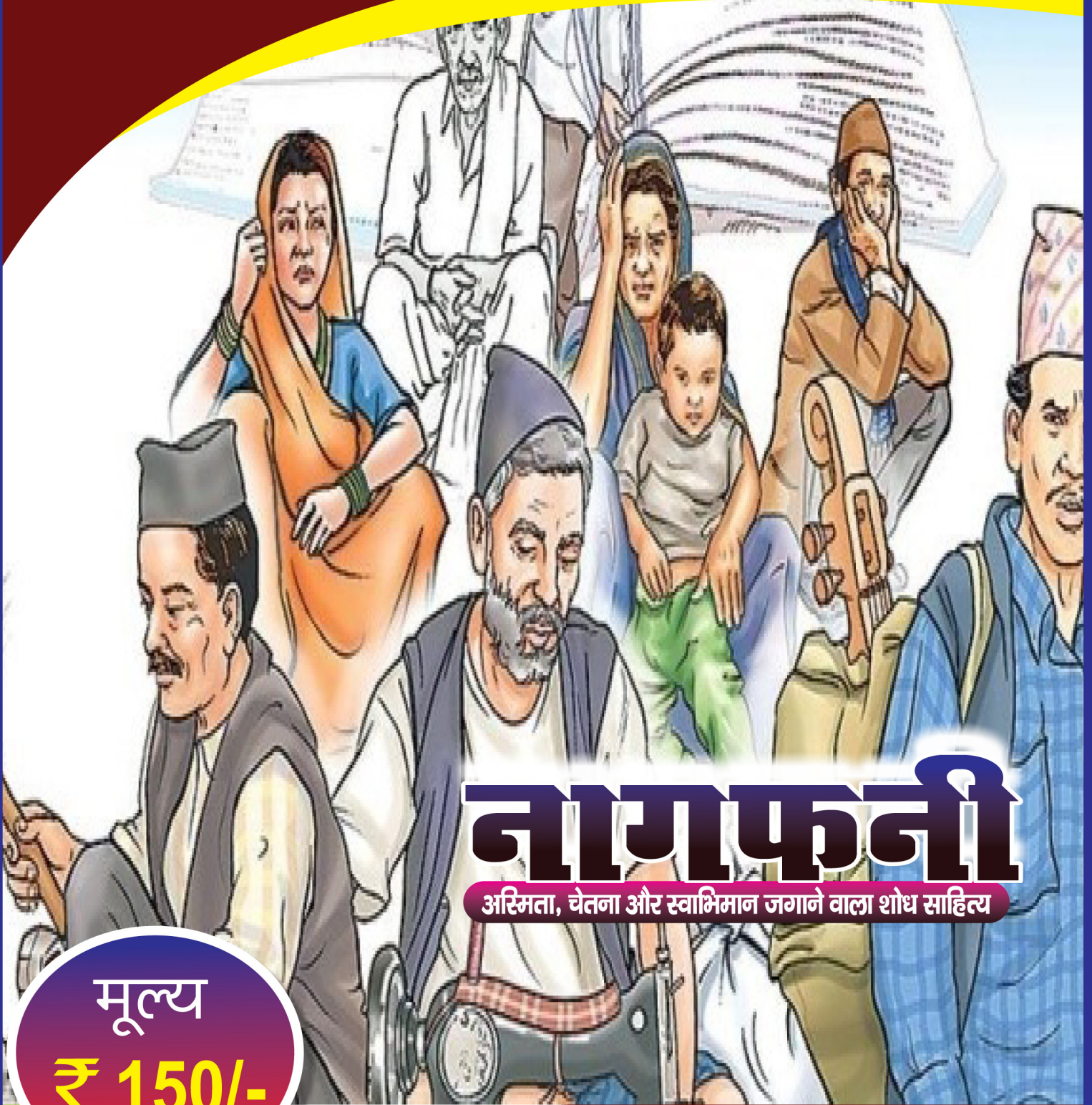
UGC Care Listed

त्रैमासिक साहित्यिक शोध पत्रिका

ISSN-2321-1504 Nagfani

RNI No. UTTHIN/2010/34408

वर्ष-13, अंक-44, जनवरी - मार्च 2023



# नागफनी

अस्मिता, चेतना और स्वाभिमान जगाने वाला शोध साहित्य

मूल्य

₹ 150/-

## अगामी अंक की सूचना

अप्रैल से जून 45वाँ अंक के लिए आगामी 30 मई 2023 तक ही आलेख स्वीकार किये जायेंगे। 30 मई के बाद प्राप्त आलेख को उसके आगे वाले अंक के लिए रखा जाएगा। शोधालेख प्रकाशन की स्वीकृति/अस्वीकृति का जो भी निर्णय होगा वह आपको मेल से ही सूचित किया जाएगा। इसको लेकर संपर्क करने की आवश्यकता नहीं हैं। स्वीकृति संबंधी मेल प्राप्त होने के बाद सदस्यता के बारे में जानकारी के लिए सम्पर्क कर सकते हैं. सदस्यता के संबंध में नागफनी के वेवसाइट पर विस्तार से जानकारी दी गयी है."नागफनी" अस्मिता,चेतना,और स्वाभिमान जगाने वाली त्रैमासिक साहित्यिक शोध पत्रिका है। इस पत्रिका को यूजीसी केयर लिस्ट में शामिल किया गया है पत्रिका का ISSN-2321-1504 nagfani और RNI No-UTTHIN/2010/34408 नम्बर है। साथ ही यह Peer Reviewed Referred journal है। आलेख nagfani81@gmail.com पर भेजने का कष्ट करें। व्यक्तिगत पंच वार्षिक सदस्यता लेने पर पांच साल तक पत्रिका मिलेगी। शोधालेख प्रकाशन की स्वीकृति/अस्वीकृति का जो भी निर्णय होगा वह आपको मेल से ही सूचित किया जाएगा। इसको लेकर संपर्क करने की आवश्यकता नहीं हैं ।

### आलेख भेजने संबंधी निर्देश:-

- ▶ शोधालेख यूनि कोड kokila फॉन्ट 16 साइज में तथा एरियल युनिकोड में टाइप करके word और PDF दोनों में भेजना है ।
- ▶ मौलिकता और प्लेगरिज्म संबंधी प्रमाण-पत्र
- ▶ अन्य किसी टाइप फॉन्ट को स्वीकृत नहीं किया जाएगा ।
- ▶ आलेख मेल पर भेजने के बाद आलेख स्वीकृति/अस्वीकृति की सूचना मेल पर ही दी जाएगी ।

**धन्यवाद!**

# नागफनी

A Peer Reviewed Refereed Journal  
(अस्मिता चेतना और स्वाभिमान जगाने वाला शोध साहित्य)  
त्रैमासिक साहित्यिक शोध पत्रिका

ISSN-2321-1504NaagfaniRNI No.UTTHIN/2010/34408

संपादक  
सपना सोनकर

सह संपादक  
रूपनारायण सोनकर

Co Editor(English)  
Prof.Rajesh karankal  
Dr.Santosh Kumar Sonkar

कार्यकारी संपादक  
डॉ.एन.पी.प्रजापति

वर्ष-13 अंक 44, जनवरी-मार्च-2023

## सलाहकार मण्डल (Peer Review Comittee)

प्रोफेसर विष्णु सरवदे, हैदराबाद (तेलंगाना)  
प्रोफेसर आर. जयचंद्रन तिरुअनंतपुरम (केरल)  
प्रोफेसर दिनेश कुशवाह, रीवा (मध्य प्रदेश)  
डॉ.एन. एस. परमार, बड़ौदा (गुजरात)  
प्रो. दिलीप कुमार मेहरा, बी.बी.नगर (गुजरात)  
डॉ.उमाकांत हजारिका, शिवसागर(असम)

प्रोफेसर संजय एल. मादार, धारवाड़ (कर्नाटक)  
प्रोफेसर गोबिन्द बुरसे, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)  
डॉ.दादा साहेब सालुनके, महाराष्ट्र (औरंगाबाद)  
प्रोफेसर अलका गडकरी, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)  
प्रोफेसर मोहनलाल 'आर्य' मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश)  
डॉ.जी.व्ही .रत्नाकर हैदराबाद(तेलंगाना)

## प्रकाशन/मुद्रण

प्रकाशक रूपनारायण सोनकर की अनुमति से डॉ.एन.पी.प्रजापति द्वारा नमन प्रकाशन-423/A अंसारी रोड दरियागंज, नई दिल्ली 11002 में प्रकाशन एवं मुद्रण कार्य।

मुख पृष्ठ- उत्कर्ष प्रजापति, सिंगरौली - मध्यप्रदेश

## संपादकीय/व्यवस्थापकीय कार्यालय

दून व्यू कॉटेज स्प्रिंग रोड, मंसूरी -248179, उत्तराखण्ड, दूरभाष : 0135-6457809 मो.0941077718

## शाखा कार्यालय

पी.डब्ल्यू. डी. आर. -62 ए ब्लॉक कॉलोनी बैद्वन, जिला-सिंगरौली म. प्र. पिन-486886 मो. 09752998467  
सहयोग राशि -150/-रुपये, वार्षिक सदस्यता शुल्क (संस्था के लिए)-1500/-रुपये, पंच वार्षिक सदस्यता शुल्क (व्यक्ति के लिए)-3000/-रुपये  
पंच वार्षिक संस्था और पुस्तकालयों के लिए -3500/-रुपये, विदेशों में \$50 आजीवन व्यक्ति-6000/-रुपये, संस्था-10,000/-रुपये।

सदस्यता शुल्क एवं सहयोग राशि-Dalit Utkarsh Samiti-A/C-31590110006504  
IFSC Code-UCBA0003159 Branch-Waidhan ward no 40

**नोट:-**पत्रिका की किसी भी सामग्री का उपयोग करने से पहले संपादक की अनुमति आवश्यक है। संपादक-संचालक पूर्णतया अवैतनिक एवं अध्यवसायी हैं। 'नागफनी' में प्रकाशित शोध-पत्र एवं लेख, लेखकों के विचार से सलाहकार मंडल की सहमति के उपरांत ही प्रकाशित किया जाता है। 'नागफनी' से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल देहरादून न्यायालय के अधीन होंगे। अंक में प्रकाशित सामग्री के पुनर्प्रकाशन के लिए लिखित अनुमति अनिवार्य है। सारे भुगतान मनी ऑर्डर, बैंक/चेक/बैंक ट्रांसफर/ई-पेमेंट आदि से किए जा सकते हैं। देहरादून से बाहर के चेक में बैंक कमीशन 50/- अतिरिक्त जोड़ें।

लेख भेजने के लिए -Mail-ID- nagfani81@gmail.com  
पत्रिका के बारे में विस्तार से जानने के लिए देखें Website:-http:naagfani.com

दलित उत्कर्ष समिति के सौजन्य से प्रकाशित

## संपादकीय

3

## साहित्यिक विमर्श

1. भारतीय समाज और इतिहास की वैचारिकी सत्ता: एक विश्लेषण-सूरज प्रकाश बडत्या 4-8
2. हिन्दी गीत और गज़ल का प्रतिबिम्बात्मक वैशिष्ट्य-डॉ.शिव शरण कौशिक 9-12
3. गढ़वाल हिमालय के लोकगीतों की भाव सम्पत्ति-डॉ.डी.एस.भण्डारी 13-14
4. स्वातंत्र्योत्तर आलोचना के आधार स्तंभ: नामवर सिंह-चेतन चंद्र जोशी 15-16
5. 'वीमा' नाटक में व्यक्त विविध समस्याएँ- डॉ.भुरे बालाजी श्रीपती 17-19
6. कृष्णा सोबती के उपन्यासों में चेतना के विविध आयाम-रश्मि पुशाम 20-21
7. 'छत पर दस्तक' कहानी का मूल्य -बोध-डॉ.सुषमा चौधरी 22-23
8. अमृतलाल नागर का 'महाकाल' उपन्यास : प्राकृतिक आपदा कोरोना के परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता-डॉ.बोबडे जयंत ज्ञानोबा 24-26
9. हिंदी कहानी में चर्चित वृद्ध समस्याएँ -डॉ.एन. लावण्या 27-30
10. पत्रकारिता के बदलते आयाम: एक दृष्टि-अमित कुमार गौतम & प्रो.दिनेश कुशवाह 30-31
11. मुक्तिबोध की कविता में सत्ता के विरुद्ध संघर्ष-डॉ.सुनीता कुमारी 32-33
12. हरिशंकर परसाई की रचनाओं में व्यक्त व्यंग्य की प्रासंगिकता- डॉ.कृष्ण विहारी राय 33-35
13. नयी कविता और प्रयोगवाद-अनिल मेरावी&डॉ.गंगाधर ढोके 35-36

## स्त्री विमर्श

1. दलित साहित्य में स्त्री: बदलते प्रतिमान-रजिला. ओ.पी. 37-38
2. सुब्रमण्यम भारती के साहित्य में नारी मुक्ति-डॉ.के.महालक्ष्मी 38-39
3. 'रसीदी टिकट' और 'कस्तूरी कुण्डल बसे' स्त्री संघर्ष का दस्तावेज-अनू पाण्डेय&डॉ.विश्वजीत कुमार मिश्र 40-41

## दलित विमर्श

1. सनातन : भारतीय सामाज व्यवस्था का पोस्टमॉर्टम-प्रा.डॉ. गिरीश मोरे 42-51
2. सामाजिक विसंगतियों एवं दलित जीवन की त्रासदी का दस्तावेज: 'गदुर का आदमी'-डॉ.पान सिंह 52-55
3. हिंदी कथा साहित्य में अस्मिता मूलक विमर्श: विविध आयाम-प्रो.डॉ.एम.डी.इंगोले 56-57

## आदिवासी विमर्श

1. भारत में जनजातीय विकास: आशाएं और योजनाएं-डॉ.संजय यादव 58-61
2. बालाघाट जिले के जनजातीय समाज की समस्याएं-नीतेश मेश्राम&डॉ.मधुलिका श्रीवास्तव 61-63

## विविध विमर्श

1. अनुवाद में प्रोक्ति, परिवृत्ति की अवधारणा-डॉ.श्रीराम हनुमंत वैद्य 64-66
2. श्रीमद्भागवत में तरु पूजा-डॉ.राखी गुप्ता 67-68
3. भारत में विवाह के बदलते आयाम सामाजिक विधिक अध्ययन-दिनेश कुमार 68-69
4. वेदों में वनस्पति व औषधीय प्रबंधन-मोनिका सिंघानिया&डॉ दीप्ति वाजपेयी 70-73
5. भारत में समावेशी शिक्षा और उसकी उपादेयता: एक शैक्षिक अध्ययन-डॉ.राजकुमारी गोला 73-75
6. लॉकडाउन के दौर में दो प्रमुख हिंदी अखबारों की रिपोर्टिंग का विश्लेषणात्मक अध्ययन-निखिल शर्मा&डॉ.कुंजन आचार्य, 76-80

## Canonical Literary Discourse

1. The changing discourse of Subalterns: From subordination to dominance-Jayini Bhaumik& Bikram Ghosh&Dr. Bidisha Ghosh Dastidar 81-82

## Feminist Discourse

1. STRUGGLES OF MODERN INDIAN WOMEN IN THE NOVELS OF SHOBHA DE AND SHASHI DESPANDE.-Birendra Kumar Pandey 83-85

## Others

1. Unemployment problem among graduates -A study in the Dima Hasao district of Assam-Ms.Tina Bardhan & Dr Mousumi Borah 86-89
2. A Study of Impact of Modern Technologies on Society-Dr. Mohan Lal 'Arya' 90-93
3. DEPICTIONS OF CHILDHOOD AND INNOCENCE: A COMPARATIVE STUDY OF ROALD DHAL AND R.K NARAYAN-Raghwendra Prasara 93-94
4. A Study on : Environmental Impact Assessment (EIA)-Nabamita Nath 95-98
6. RELATIONSHIP BETWEEN FRUSTRATION TOLERANCE & MENTAL HEALTH OF SECOND ARY SCHOOLGOING ADOLESCENTS- DR.Bimal Mandal 99-101
7. Re-reading Disability: A Study of Ishan Mushahari's Bodo Short Story "Abari"-Dr.Chandrima Sen 101-103
8. MENTAL HEALTH DISORDER IN ADOLESCENTS-Tuli Bhattacharya 104-105
9. Learning as a Bystander: Case of Lakshami in Shyam Benegal's Ankur-'Vaishali Yadav 106-108

## A Study of Impact of Modern Technologies on Society

Dr. Mohan Lal 'Arya'

Professor

Department of Education

IFTM University, Moradabad, UP, India

**Abstract:-** The present research paper deals with the impacts of technology in Indian Education system, improper use of modern technologies by the society and their effects on economic, religious and social aspects as well as their influence upon people's behaviour and the responsibility of the society in monitoring the children who are in need of attention by everyone through the proper guidance of educational ways. Moreover, this research paper deals with the need of adding all efforts collectively in order to protect the whole society from the imminent dangers of modern technologies and work together to take opportunities of its resources properly. This generally begins from the family and schools and closes with universities, mass media and the various institutions that guarantee the rights of children from all different areas. However this research paper emphasizes the fact that everyone should make efforts towards using this technology properly whether at home or outside.

**Keywords:-** Modern technologies, Negative effects, Impact of technology, Society.

**Introduction:-** Now days, the era of 21st century is often regarded as an era of technology. Technology plays a very important role in our daily life. It is seen as a basis of growth of an economy. An economy which is poor in technology can never grow in today's scenario. This is because technology makes our work much easier and less time consuming. The impact of technology can be felt in every possible field, one such field is education. At the same time, it also generates some problems for our society such as the decline in ordinary social behaviours. Yet, modern societies realized the significance of intellectual technology which is a form of new knowledge that achieves goals or solves many problems. Technology is a term that refers to a body of knowledge that is employed to generate tools creates skills and chooses materials for human use. Technology includes the use of materials, tools, techniques and sources of power to make life easier or more pleasant and work more productive. Technology has been derived from Greek word "techno-logia"—Techno means an art or skill and logia means science or study. Thus, technology means systematic treatment of, art or study. According to Oxford English Dictionary—"Technology is application of scientific knowledge for practical purposes". Technology is a tool or device or implement used for a particular task. Thus, the linguistic meaning of the word technology is the methods and tools that a society has developed in order to

Facilitate the solution of its practical problems and to provide the necessary needs for the community. Consequently, the use of modern technology in all spheres of life increases risks, threats and crimes related with the use of this technique which reflects negatively on the possibility of its use in absolute terms in all walks of life. Since human beings are more dominated by the use of modern technologies such as social media this reduces the distances, despite of having negative effects on human relations in society and family. Now a days people reorganize that the use of modern technologies is a requirement for life and an indication of the cultural awareness of the community. They have positive prominent roles as one of the requirements of this era where they enter in all walks of life to provide services, improve the quality of life and increase communication and relationship since it is a developed culture reflects the culture of the community. This research presents the impact of technology on education, the negative impacts of modern technologies on society and this paper will also contribute to raise people's awareness towards the appropriate ways of using modern technologies. The author hopes that by presenting the negative effects of modern technologies on society, it will have positive influences on individuals and society in general since modern technologies play a major role in people's lives and future possibilities.

**Statement of the Problem:** Positive impact of technology on education technology, the most important negative impacts of the use of modern technologies on society and its impact on individual behaviour are: the formation of personal beliefs, social isolations, reduction in the family ties between the family and society members, inactivity, obesity, lack of desire to work different kinetic activities. The statement of the problem is: "A Study of Impact of Modern Technologies on Society".

**Objectives:-**

1. To the present study the positive and negative impacts of the use of modern technology on society. These are the main objectives of this research paper:
2. To study the impact of technology on education.
3. To study the use of modern technological techniques by members of the society and their influences on the social aspects.
4. To study the reasons for gaining modern technological techniques.
5. To study the disadvantages of the use of modern

technological techniques in all spheres of life.

6. To study spreading awareness ideas among members of the society about positive and negative influences of modern technological techniques.

7. To identify the family's role in reducing the risk of modern technological techniques.

**Discussion and Analysis:** -The main purpose of this research is to identify the impact of technology on education, negative impacts of misusing modern technologies on society. Moreover, it provides detailed information regarding the impact of modern technological techniques on individuals and societies.

**To study the Impact on Technology on Education:** In this decade, technology has significant influence in many areas of society especially for improving education, language acquisition, support learning and it is a great way to access to information. In fact, now a day's students depend on their machine such as computers, laptops, mobile phone to study in the classroom or outside the class. In addition, they use the internet to communicate with teachers and to help them do research for information they need to do homework. Although, technology is a substantial part of teaching and language learning, in some aspect of languages learning may not have any favourable impact. The efficiency of any technology on learning technology relies on its uses quite than the technology itself. Expressively, numerous recent studies have focused on the effectiveness of the technology and to explore the recent potential to improve technology in language learning. Technology advancement has really provided new platforms for various disciplines leading to great improvements in the education process. Furthermore, education has been thoroughly being applied to education. Actually, technology can be thought of as the application the scientific knowledge and approaches for the different purposes.

b. Second Objectives of the Research

**To study the use of modern technological techniques by members of the society and their influences on the social aspects:** Technology influences society through its products and processes. Technology influences the quality of life and the ways people act and interact. Technological changes are often accompanied by social, political and economic changes that can be beneficial or detrimental to individuals and to society. However, human societies experienced significant and rapid development of these techniques, making it more convenient in social communication. Because of adoption of these techniques, children do not have enough time to use their imagination or to read or think deeply about the material, they find the information but they may not remember it, they might have difficulty to develop social skills and emotional reactions. Technology leads to social isolation which is characterized by a lack of contact with other people in normal daily living

such as the workplace, with friends and social activities. Furthermore, the occurrence of new and increasing patterns of behaviours and values influenced the social interaction process. Computers have had a tremendous impact on human interaction with other humans. According to David Bell, reader in cultural studies at Staffordshire University, "Technology and Society are kept separate, even held in opposition to one another. Technology causes social change". Computers have created social change due to the uses of them as well as acceptance into society by people. Media and communication, technologies or telematics as referred to earlier, further disconnect people from reality and push towards a virtual world. Relationships among people have drastically changed since the introduction of the personal computer. Interpersonal relationships are uniquely different than ever before. In most circumstances, due to geographic location convenience or comfortableness, human to human interaction is much different in the 21st century than the 20th and prior to. In particular the use of email has been shown to eliminate a lot of the usual visual and verbal cues we often use in communicating with one another. In addition to removing such cues, computer-mediated communications make attributes such as race, gender, age or physical disability, in addition perhaps to the person's social or management status within an organization with the use of the virtual world. However, many people especially younger generations, are losing the ability to properly communicate in face to face situation because of being accustomed to conversing in what has become known as cyberspace. The modern technology reduced family interaction just as the television did prior to and this technology changes the boundaries between households and larger world.

**To study the reasons for gaining modern technological techniques:** One of the most important reasons for youth generations to use modern technologies is the desire not to associate with others directly and not to make social relationships. Therefore, these become strong medium of social visits and exchange of experiences and feelings. Media such as radio and television still have major impact on the orientation of young people towards these techniques where most of them have been brought up on information quoted from the media. It is cleared that most people who are addicted to the use of the internet are the ones who suffer from social isolation because they spend long times using these techniques and their communication is limited to the written conversations with no sensory feelings.

**To study the disadvantages of the use of modern technological techniques in all spheres of life:** First, the evolution of technology is beneficial to humans for several reasons. On the other hand, the evolution

of modern technology has disadvantages as for example dependence on new technology. Man no longer needs to think. Even if the calculator is a good invention, man no longer makes mental calculation and no longer works his memory. The decline of human capital implies an increase in unemployment. In some areas, devices can replace the human mind. One of the major disadvantages is social isolation where people are spending more time playing video games, learning how to use new modern technology, using social networks and they neglect their real life. Technology has replaced our old way of interacting. If a user can easily interact with 100 friends online, they will feel no need to go out to make new friends which at a later stage can lead to loneliness. Wasting time, the spread of incorrect and unauthenticated information and spreading lies through these techniques are among the most drawbacks that face our communities due to the use of these techniques. As a result, these means have significant impacts on individuals that take them away from reading books and getting information through printed paper. Modern technology has been the main aid in the increasing of endless wars. It aids the manufacturing of modern war weapons. So when these weapons get into hands of criminals, they will use them for their selfish reasons. To add, these weapons often severely damage the natural earth, making some areas uninhabitable.

**To study spreading awareness ideas among members of the society about positive and negative influences of modern technological techniques:** Awareness is the ability to directly know and perceive, to feel or to be cognizant of events. More precisely, it is the state of being conscious of something. Research investigations have shown that people's views and ideas conflict on the positive and negative use of these techniques. On one hand, some of people emphasized the need to stay up to date with modern life, as a result of the accelerated pace of life in all aspects as a method to reduce distances, save time and effort in terms of access to information and the completion of the transactions. On the other hand, some of them believe that modern technologies have formed a severe blow to social and family system and the cause of the high incidence of divorce and they recommend the need to impose sanctions on these technology techniques so as not to leave their children in a world of illusions and assumptions and lessens the social and family ties.

**To identify the family's role in reducing the risk of modern technological techniques:** It is the parents' role to make numerous decisions about their children's media environment; how many TVs, Computers and Video games they buy for the home; whether their kids have cell phones and i-pods; whether there are TVs and video players in their children's bedrooms; whether the TV is usually on during meals or as daily background; and whether

they establish any rules about their children's media use. All of these decisions, put together, create a media environment for young people. Hence, it is essential to encourage family members to take advantage of their free time and access to training courses. For example, parents can guide their children to the best way to use these techniques without intolerance or rigidity by clarifying the pros and cons and try to hold them part of the responsibility and internal control.

### Results and Conclusion:

With the development of new technologies thing will always be lost while at the same time new things are gained. In this research it was noticed that medium could often have two outcomes; to serve as a device for independent activities or as a mechanism for socializing and communication. The research tells us to take into consideration not only the use of a medium but also how it is being used and what is being used for. The role of parents following up their child's unsupervised media interaction by engaging in conversation with them was also revealed. It was noticed that the unintended effects could be damaging to the manner in which parents communicate with their children and possibly hinder the development of their family relationships. There are many researches investigating the negative impacts of misusing modern technologies on society in different countries in the world. Khulaifi (2002) sought to explore the advantages and disadvantages of the internet. The results showed that most of the participants have the desire to use the internet and focus on the most important uses of this network for the purposes of communication, exchanging information with others, searching for information and entertainment. Participants in this study revealed the negative aspects of the internet such as helping in the cultural invasion and causing social and health problems if it is used frequently. Lailah (2000) conducted a study aimed at clarifying the role of media in the information technology that badly affecting the family relationships and focused on the negative impact of the performance of the media and information technology in our society. As a result, this helps to erode the value systems which oriented to family interaction. The study recommended upbringing the young and adult according to a moral system supporting their identity. Bryant (2006) carried out a study intended to identify the relationship between the use of text messaging and the information of social networks for teenagers. The sample of study consisted of 40 participants ranged in age group (11-13). The study results confirmed that there is a limited overlap between friendships in the lives of individuals and friendships through interactive technology. So, there are a number of friends on the internet to communicate

with them on line and instant messaging has proven that it is not a substitute for a source of social support to people who suffer from isolation.

Life is a series of cycles that are continuously changing, the moon, the seasons and stages of life all have cycles. Likewise, media has cycles where things are perpetually being created, developed and then sometimes left behind, changing the fabric of society and the ways in which we live. It was apparent that media does not affect the way a family unit socializes and as a result, their relationships. Without boundaries of time and place, features of technological device allow individuals to foster familial bonds and relationships by creating the perpetual ability to connect with others. While this is one of the best aspects of media, it also has potential for negatively impacting in person family contact, hindering face to face interactions and social involvement. Research shows that the correct use of modern technologies require a comprehensive understanding to reality of change that happens to the community. Thus, this requires concerted efforts through full cooperation among all sectors of society, from family to government institutions, along with the presence of useful awareness programs supervised by these institutions pursued by the family to utilize the modern technologies accurately in order to ensure and protect the future generations. Finally, this research is simply a little effort towards doing justice to this subject and it could assist future researchers in examining this topic with other groups and in more depth and with more relationships to the present use of modern technologies and their impacts on societies.

\*\*\*\*\*

## References:

1. Hawsawi, A, Impediments to the use of educational technologies in teaching mentally retarded students as perceived by teachers of Education in Riyadh. The first scientific conference, Department of Mental Health, the College of Education, Benha University.
2. Beniger, J.R., Personalization of mass media and the growth of pseudo community. *Communication Research*, 14,352-371, (1987).
3. Lailah, A., The role of mass media and information technology in the family disruption: monitoring the movement of the reaction from the center to the margin. Cairo University, Faculty of Information, p.23, (2009).
4. Khulaifi, M., the impact of Internet in the community: A Field Study, *Alam Al Koteb*.p.469-502, (2002).
5. Al-Majali, F., The use of Internet and its impact on social relations among university students, *An Empirical study*, light house, (2007).
6. Bryant, A., Sanders, J. & Mal, W., Instant Image text and adolescents social networks, 4 *Journal of computer and Communications Mediation*, (2006).
7. Younes, Mohammad Bani, The Impact of Technologies on Society: A Review: *Journal of Humanities and Social Science*, Volume-20, ISSN: 2279-0845.
8. Proceedings of the New York State Communication Association, Vol.-2012, Art, 10, (2013).

## DEPICTIONS OF CHILDHOOD AND INNOCENCE: A COMPARATIVE STUDY OF ROALD DHAL AND R.K NARAYAN

DOI-<https://doi.org/10.56716/4/1471>

**Raghwendra Prasara**

Research Scholar,

Department of English, J.P.U.Chapra

**Keywords:** Childhood, Friendship, Innocence Parental love

This paper studies the treatment of children in R.K Narayan's 'Swami and Friends' (1935) and Roald Dahl's, *Danny, the Champion of the World* (1975). Swami and Friends is the story of the turbulent friendship of Swaminathan, his four childhood friends, and a new boy named Rajam. It takes place in British-colonial India in the year 1930. The story begins by introducing Swaminathan and his friends Somu, Sankar, Mani, and Pea. Swami talks about how different all of his friends are from one another and how their differences actually make their friendships stronger. Soon, however, a new boy arrives, named Rajam whom Swami and Mani absolutely hate. It is not until the three boys confront each other that they realize they have a lot in common, and become fast friends. Their adventures, splits, combats, carefree roaming in the lap of nature encompass a child's ideology and philosophy.

In Dahl's fiction, children are often described unfavorably: they are "disgusting little blisters", "vipers", "spoiled brats", "greedy little thieves", "greedy brutes" and many more.

In *Danny, the Champion of the World*, Dahl concentrates on the shared otherness of a loving father and tender child. Upon reaching the crux of Danny, after a whirlwind of pheasant-poaching and small-English-village adventure, Dahl leaves his readers with a strong suggestion for when they have children of their own. He writes, "a stodgy parent is no fun at all / what a child wants / and deserves / is a parent who is out of context". The message might seem irresponsible and careless, but such a message fits the narrative superbly. More than anything, Danny is a story about the love between an eccentric, "sparky" father and his adoring son.

In the R.K. Narayan's story 'Swami and Friends' we observe that how this book throws light on the social issues of pre-independence era. The story highlights many problems of children which we witness today. The conflicts that arise throughout the book between Swaminathan and his friends are problems that many children face in this contemporary world. For instance, towards the commencement of the book, Swami and his four original friends do a great job of seeing the